

16

[This question paper contains 6 printed pages.]



Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4476

HC

Unique Paper Code : 12131201

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Prose)

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit CBCS
(Core)

Semester : II

Duration : 3 hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer all questions.
3. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

भाग 'क' / Part - A

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिये : (2×5=10)

Translate any two of the following :

- (क) अमृतसहोदरापि कटुकविपाका । विग्रहवत्यपि अप्रत्यक्षदर्शना । पुरुषोत्तमरतापि खलजनप्रिया । रेणुमयीव स्वच्छमपि कलुषीकरोति । यथा यथा चेत्यं चपला दीप्यते तथा तथा दीपशिखेव कज्जलमलिनमेव कर्म केवलमुद्भमति ।
- (ख) यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः । अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः । अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिरतिदूरमात्मेच्छया यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः ।
- (ग) इन्द्रियहरिणहारिणी च सततमतिदुरन्तेयमुपभोगमृगतृष्णिका । नवयौवनकषायि-
तात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाण्यास्वाद्यमानानि मधुतराण्यापतन्ति
मनसः । नाशयति च दिङ्मोह इवोन्मार्गप्रर्वतकः पुरुषमत्यासङ्गो विषयेषु ।
- (घ) तात चन्द्रापीड! विदितवेदितव्यस्याधीतसर्वशास्त्रस्य ते नाल्पमप्युपदेष्टव्यमस्ति ।
केवलञ्च निसर्गत एवाभानुभेद्यमरत्नालोकोच्छेद्यमप्रदीपप्रभापनेयमतिगहनं तमो
यौवनप्रभवम् । अपरिणामोपशमो दारुणो लक्ष्मीमदः । कष्टमनञ्जनवर्ति साध्यम्
अपरम् ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम् ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिये : (2×5=10)

Explain with reference to the context any two of following :

- (क) हिडिम्बेव भीमसाहसैकहार्यहृदया । प्रावृडिवाचिरद्युतिकारिणी ।
- (ख) कमलिनीसंचरणव्यतिकरलग्ननलिननालकण्टकक्षतेव न क्वचिदपि
निर्भरमाबध्नाति पदम् ।
- (ग) कुसुमशरशरप्रहारजर्जरिते हि हृदये जलमिव गलत्युपदिष्टम् ।
- (घ) कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यम् अपरम् ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम् ।

3. शुकनासोपदेश का सार अपने शब्दों में लिखिए : (10)

Write a brief note on Sukanasopadesa.

अथवा / OR

'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्' इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए ।

Explain with examples 'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्'.

भाग 'ख' / Part - B

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिये : (2×5=10)

Translate any two of the following :

- (क) अधिगतशास्त्रेण चादावेव पुत्रदारमपि न विश्वास्यम् । आत्मकुक्षेरपि कृते
तण्डुलैरियदिभरियानोदनः संपद्यते । इयत ओदनस्य पाकायैतावदिन्धनं पर्याप्तमिति
मानोन्मानपूर्वकं देयम् । उत्थितेन च राज्ञा क्षालिताक्षालिते मुखे मुष्टिमर्धममुष्टिं
वाऽभ्यन्तरीकृत्य कृत्स्नमायव्ययजातमहः प्रथमेऽष्टमे वा भागे श्रोतव्यम् ।

(ख) मयाऽपि परिभ्रमता विन्ध्याटव्यां कोऽपि कुमारः क्षुधा तृषा च क्लिश्यन्क्लेशार्हः क्वचित्कूपाभ्यांशे अष्टवर्षदेशीयो दृष्टः । स च त्रासगद्गदमगदत् - “महाभाग, क्लिष्टस्य मे क्रियतामार्य! साहाय्यकम् । अस्य मे प्राणापहारिणीं पिपासां प्रतिकर्तुमुदकमुदन्चन्निह कूपे कोऽपि निष्कलो ममैकशरणभूतः पतितः ।

(ग) स पुनरिमान्प्रत्याह - ‘कोऽसौ मार्गः’ इति । पुनरिमे ब्रुवते - “ननु चतस्रो राजविद्यास्त्रयी वार्तान्वीक्षिकी दण्डनीतिरिति । तासु तिस्रस्त्रयीवार्तान्वीक्षिक्यो महत्यो मन्दफलाश्च तास्तावदासताम् । अधीष्व तावद्दण्डनीतिम् । इयमिदानीमाचार्यविष्णुगुप्तेन मौर्यार्थे षड्भिः श्लोकसहस्रैः संक्षिप्ता । सैवेयमधीत्य सम्यगनुष्ठीयमाना यथोक्तकर्मक्षमा” इति ।

(घ) देव, दैवानुग्रहेण यदि कश्चिद् भाजनं भवति विभूतेः, तमकस्मादुच्चावचौर-पप्रलोभनैः कदर्थयन्तः स्वार्थं साधयन्ति धूर्ताः । तथाहि । केचित्प्रेत्य किल लभ्यैरभ्युदयातिशयैराशामुत्पाद्य, मुण्डयित्वा शिरः, बद्ध्वा दर्भरज्जुभिः, अजिनेनाच्छाद्य, नवनीतेनोपलिप्य, अनशनं च शाययित्वा, सर्वस्य स्वीकरिष्यन्ति ।

5. दण्डी की गद्य-शैली की विवेचना कीजिए ।

(10)

Describe the prose style of Dandin.

अथवा / OR

विश्रुतचरितम् के अनुसार राजाओं की दिनचर्या अपने शब्दों में वर्णित कीजिये ।

Explain the day by day activities of kings according to Visruitcharitam.

6. प्रश्न संख्या 1, 2, 4 के किन्हीं पाँच रेखांकित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी कीजिये । (5)

Write Grammatical notes in any five underlined words in given 1, 2 and 4.

भाग ‘ग’ / Part - C

7. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये : (10)

Write short notes on any three of the following :

बाणभट्ट, दण्डी, सुबन्धु, आख्यायिका, कथा

अथवा / OR

संस्कृत गद्य साहित्य की उत्पत्ति और विकास का विवेचन कीजिए ।

Describe the origin and development of Sanskrit prose literature.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिये :

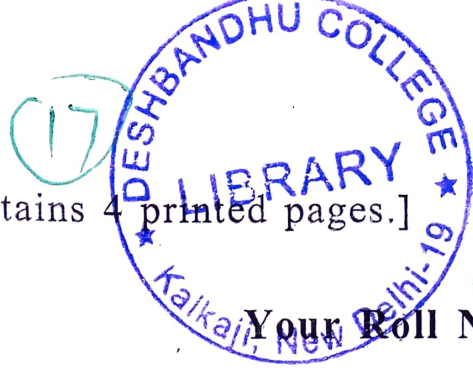
(10)

Write short notes on any **two** of the following :

शुकसप्तति, पंचतन्त्र, हितोपदेश, वेतालपञ्चविंशतिका

⋮

[This question paper contains 4 printed pages.]



Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4657

HC

Unique Paper Code : 12131202

Name of the Paper : Self Management in the Gita

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit – CBCS

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. All questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

(3×7=35ब्ल)

Explain the following:

(क) भूमिरापोऽनलो वायुः खं मनो बुद्धिरेव च ।

अहंकार इतीयं मे भिन्ना प्रकृतिरष्टधा ॥

अथवा / OR

इच्छा द्वेषः दुखं सघातश्चेतना धृतिः ।

एतत्क्षेत्रं समासेन सविविकारमुदाहृतम् ॥

(ख) इन्द्रियाणां हि चरतां यन्मनोऽनुविधीयते ।

तदस्य हरति प्रज्ञां वायुर्नावमिवाम्भसि ॥

अथवा / OR

क्लैब्यं मा स्म गमः पार्थ नैतत्त्वय्युपपद्यते ।

क्षुद्रं हृदयदौर्बल्यं त्यक्तवोत्तिष्ठ परन्तप ॥

(ग) नात्यश्नत्स्तु योगोऽस्ति न चौकान्तमनश्नतः ।

न चाति स्वप्नशीलस्य जाग्रतो नैव चार्जुन ॥

अथवा / OR

अधिष्ठानं तथा कर्ता करणं च पृथग्विधम् ।

विविधाश्च पृथक्चेष्टा दैवं चौवात्र पञ्चमम् ॥

(घ) श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं तत्परः संयतेन्द्रियः ।

ज्ञानं लब्ध्वा परां शान्तिमचिरेणाधिगच्छति ॥

अथवा / OR

प्रजहाति यदा कामान्सर्वान्पार्थ मनोगतान् ।

आत्मन्येवात्मना तुष्टः स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते ॥

(ङ) कार्पण्यदोषोपहतस्वभावः पृच्छामि त्वां धर्मसम्मूढचेताः ।

यच्छ्रेयः स्यान्नश्चितं ब्रूहि तन्मे शिष्यस्तेऽहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम् ॥

अथवा / OR

संतुष्टः सततं योगी यतात्मा वृढनिश्चयः ।

मय्यर्पितमनोबुद्धिर्यो मद्भक्तः स मे प्रियः ॥

2. गीता के अनुसार आत्मप्रबन्धन के उपायों का विवेचन कीजिए । (11)

Discuss the means of Self-Management according to the *Gita*.

अथवा / OR

गीता के अनुसार आत्मप्रबन्धन की प्रक्रिया में इन्द्रिय और बुद्धि की भूमिका स्पष्ट कीजिए ।

Discuss the role of senses and intellect in the process of Self-Management according to the *Gita*.

3. मानसिक द्वन्द्वों का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके कारणों का निरूपण कीजिए। (11)

Explaining the nature of mental conflicts describe the cause of it.

अथवा / OR

त्रिविध गुणों के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए त्रिविध प्रकार के आहारों के शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का वर्णन कीजिए।

Explaining the nature of three types of *Guṣas* describe the impact of three types of diet on the body.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए - (3×6=18)

Write short notes on any **three** of the following :

- | | |
|------------------------|-------------------------|
| (i) शरीर तप | (Austerity of the body) |
| (ii) आदर्श आचरण | (Modal Conduct) |
| (iii) बुद्धि का स्वरूप | (Nature of intellect) |
| (iv) योगाभ्यास | (Practice of Yoga) |
| (v) परमात्मा भक्ति | (Devotion to God) |